No. of Printed Pages : 3 **MJY-004**

स्नातकोत्तर कला उपाधि (ज्योतिष)

(एम. ए. जे. वाई.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2022

एम.जे.वाई.-004 : कुण्डली निर्माण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : यह प्रश्न-पत्र कुल **दो** खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिये गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड-क

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 3×20=60

1. सूर्योदय एवं सूर्यास्त से आप क्या समझते हैं ? सूर्योदय, सूर्यास्त एवं दिनमान के साधन का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

2. इष्टकाल से आप क्या समझते हैं ? इष्टकाल एवं चालन की विधि का उदाहरणपूर्वक वर्णन कीजिए।

3. नतकाल को परिभाषित करते हुए उदाहरण के आधार पर दशमलग्नसाधन का भी वर्णन कीजिए।

4. पञ्चांग द्वारा सूर्यादि स्पष्ट ग्रहों का तात्कालिक स्पष्टीकरण का उल्लेख करते हुए ग्रहगतिसाधन का उल्लेख कीजिए।

5. भावसाधन किसे कहते हैं ? पलभा, चरखण्ड के आलोक में लग्नस्पष्ट का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

6. अष्टक वर्ग साधन का उदाहरण के साथ वर्णन कीजिए।

खण्ड-ख

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। $4 \times 10 = 40$

1. कल्पित उदाहरण के द्वारा वक्री ग्रह के स्पष्ट साधन का उल्लेख कीजिए।

2. चन्द्रस्पष्टीकरण से आप क्या समझते हैं ? सप्रमाण व्याख्या कीजिए।

3. भयात और भभोग निकालने की विधि का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

4. भोग्यप्रकार से लग्नसाधन की विधि का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

5. भौमाष्टक वर्ग एवं बुधाष्टक वर्ग का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

6. गुर्वष्टक वर्ग और शुक्राष्टक वर्ग का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

7. विंशोत्तरी दशा साधनविधि तथा इसके प्रकारों का वर्णन कीजिए।

8. अष्टोत्तरी दशा के अर्थ एवं भेद का सप्रमाण वर्णन प्रस्तुत कीजिए।